area, reserved for the small-scale sector within the parametres which have been given in in para 38 of the Hathi Committee Report.

बिहार में टेलीफोन लाइनों की क्षमता में वृद्धि

*330. **श्रीमती कृष्णा साही** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) समूचे बिहार राज्य में कितनी टेलीफोन लाइनें हैं और महाराष्ट्र, तमिल नाडु, उत्तर प्रदेश, केरल तथा कर्नाटक राज्यों में कितनी-कितनी टेलीफोन लाइनें हैं;

(ख) क्या बिहार में नए टेलीफोन कनेक्शनों के लिए 35,000 आवेदन-पत्र लंबित हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार बिहार में टेलीफोन लाइनों की क्षमता बढ़ाने का है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI VIJAY N. PATIL): (a) Number of telephone lines in the State of Bihar and other States is as below:—

State	No. of lines as on 1-10-81
1. Bihar;	57,023
2. Maharashtra	4,45,402
3. Tamil Nadu	2,09,789
4. Uttar Pradesh	1,45,201
5. Kerala	1,03,091
6. Karnataka	1,27,312

(b) and (c). No, Sir, as on 1-10-81, there were only 4619 applicants on the waiting list for telephone connections in Bihar. It is proposed to increase the capacity of exchanges in Bihar progressively to meet the demand.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY: She has not asked anything about Andhra Pradesh. Can the Minister give the figure in respect of Andhra Pradesh?

MR. SPEAKER: You give a separate question, then he will reply.

SHRI VIJAY N. PATIL: About Andhra Pradesh I have not got the figure.

श्रीमती कृष्णा साही : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो फीगर्स दी हैं, यदि उनको देखा जाए तो मालूम होगा कि बिहार में सबसे कम टेलीफोन की लाइन है और सबसे कम आवेदन-पत्र हैं। मैं माननीय मंत्री जी से जाननाचाहती हूं कि बिहार सैकेंड लार्जेस्ट स्टेट इन-दि कण्ट्री है, तो क्या यह बात सही है कि telephone services in Bihar are getting worst day by day because of—

(1) defects in overhead lines and distribution points.

(2) Old exchange equipment is still in use though it should be scrapped.

(3) Scarcity of spare parts, instruments and staff, long waiting list and wrong billing?

क्या इसके कारण वहां के लोगों ने आवेदन पत्र बहुत कम दिया है-मैं यह मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं, बिहार में इण्डस्ट्रीज है

माइन है, कोल है और रेलवे का हैड-क्वार्टर भी है, 32 डिस्ट्रिक्ट्स हैं, 587 ब्लाक हैडक्वार्टर्स हैं और फर्टिलाइजर है--इतने उद्योग होने के बावजूद भी वहां क्यों आवेदन पत्र कम हैं और क्यों कैंक्शन कम हैं ?

श्री विजय एन० पाटिल : बिहार में टेलीफोन्स का फंक्शन वर्स्ट है, यह बात हम डिनाई करते हैं। दूसरी बात हम चाहते हैं कि बिहार से ज्यादा से ज्यादा आवेदनपत्र आयें, मगर बिहार इतना बड़ा स्टेट होते हुए भी 1977 की वेटिंग लिस्ट 455 थी और आज 4619 हो गई है। दूसरी स्टेट्स में टेलीफोन के जो छोटे-छोटे डिस्ट्रिक्ट्स हैं या किसी शहर की वेटिंग लिस्ट है, उन के मुकाबले में बिहार राज्य की वेटिंग-लिस्ट बहुत छोटी है। फिर भी 1980--85 के प्लान में 92 हजार टेलीफोन लाइन्ज बिहार को देने का तय हुआ है। इस लिए हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा आवेदन-पत्र आयें और हम वहां अच्छी सर्विस दे सकें।

श्रीमती कृष्णा साही : 6ठे प्लान के ड्राफ्ट में बतलाया गया है कि 1982 में इण्डियन नेशनल सैटेलाइट जब आर्बिट में आ जायगा, उस के बाद 4 मेन-एरियाज के एलोकेशन होंगे, जिन में कलकत्ता, मद्रास और बम्बई भी हैं। उस के बाद 8 प्राइमरी एरियाज के एलोकेशन होंगे जिन में पटना को भी कवर किया जायगा। इस योजना के अन्तर्गत 6ठी पंच वर्षीय योजना में बिहार के लिए कितनी धनराशि का प्रावधान किया गया है ?

श्री विजय एन० पाटिल : मैं यह तो यहां नहीं कह सकता, लेकिन सैटेलाइट के बारे में जो कहा गया है उस में रिमोट एरियाज को कवर करने का प्रयास किया जायगा जिन में पटना भी शामिल है और प्लान के टारगेट के मुताबिक उस को कवर करेंगे।

श्रीमती कृष्णा साही : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न नहीं पूछ रही हूं, केवल एक बात आप के ध्यान में लाना चाहती हूं--मेरे गांव में डेढ़ साल से टेलीफोन लगा हुआ है लेकिन एक दिन भी उस में लाइन नहीं रही है। मैं जब भी जाती हूं मुझे कभी भी उस में लाइन नहीं मिलती है।

अध्यक्ष महोदय : मंत्री महोदय, ने सोचा होगा कि इनके कानों को गड़बड़ न हो जाय।

श्री डी० पी० यादव : अध्यक्ष जी, हमारे यहां टेलीफोन व्यवस्था की जो हालत है उस की चर्चा अभी सदन में हुई है ...

अध्यक्ष महोदय ; छोटा सा सवाल पूछिए।

श्री डी० पी० यादव : क्या टेलीफोन सेवा को सुचारु रूप से चलाने के लिए एअर-कण्डीशनिंग इक्विपमेण्ट्स का प्रावधान टेलीफोन एक्सचेंज में होगा ?

श्री विजय एन० पाटिल : अब आगे जो कंस्ट्रक्शन हो रहा है उस में बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन पहले करते हैं, उस के बाद एअर-कण्डीशनिंग करते हैं और बाद में एक्सचेन्ज का काम शुरू होता है।

अध्यक्ष महोदय : क्या पहले भी हो सकता है ?

श्री विजय एन० पाटिल : बिल्डिंग के बाद करते हैं।

श्री राम विलास पासवान : मंत्री महोदय ने अभी आंकड़े बतलाये हैं--जो सब से छोटा राज्य है, उस के मुकाबले 50 परसेण्ट टेलीफोन बिहार में हैं और जो टेलीफोन वहां लगे हुए हैं उन में से 75 परसेण्ट खराब हैं। अध्यक्ष जी, आप का टेलीफोन भी आज खराब है, मैंने लगाया था। मेरा भी खराब है और आप लोगों का भी खराब होगा--यह हालत यहां टेलीफोन्ज की है। .....

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे) : जो अच्छे आदमी हैं उनका टेलीफोन खराब रहता है।

श्री मनी राम बागड़ी : यह कहना कि टेलीफोन खराब है--यह कोई नई बात नहीं है। कोई यह कहे कि मेरा टेलीफोन सही है तब नई बात मानूंगा।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: The Intelligence Bureau has complained to the Government that they are not able to listen to the conversation.

श्री हरिकेश बहादुर : मेरा टेलीफोन कभी खराब नहीं होता है और कभी खराब होता भी है तो कम्प्लेंट करते हैं और पांच मिनट में ठीक हो जाता है।

श्री राम विलास पासवान : मैं यह जानना चहता हूं--क्या आवेदन-पत्रों के कम होने का यही कारण है कि लोगों को टेलीफोन में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि वे जानते हैं कि टेलीफोन की लाइन लेना या न लेना बराबर है, पैसा भरते रहना होगा लेकिन टेलीफोन मिलेगा नहीं। आप ने बिहार में 57023 टेलीफोन लाइनें दी हुई हैं, क्या आप ने पता लगाया है कि इन 57023 लाइनों में से कितने टेलीफोन काम कर रहे हैं और कितने बेकार हैं? पिछले दिनों बिहार में एक जिले में, रोहतास-भोजपुर में कम से कम 500 टेलीफोन प्रदर्शन कर के वापस किये गये और सरकार को लौटा दिये गये कि ऐसे खराब टेलीफोनों की आवश्यकता नहीं है। क्या आप के नोटिस में यह बात आई है और अगर आई है, तो आप उस के लिए क्या कर रहे हैं?

श्री विजय एन० पाटिल : आवेदन-पत्रों के बारे में जो बात माननीय सदस्य ने कही है, उस को हम नहीं मानते क्योंकि आज भी देश भर में 5 लाख 30 हजार की वेटिंग लिस्ट है। बिहार में जो वेटिंग लिस्ट है, वह बहुत कम है, सब से कम है। इस के लिए मैंने पहले भी कहा है कि बिहार में टेलीफोनों के लिए ज्यादा एप्लीकेशन्स आएंगी रूरल एरिया में और अर्बन एरियाज में, तो हम जरूर वहां पर टेलीफोन देंगे। बिहार राज्य के लिए हम ने 1 लाख टेलीफोन लाइनों का प्रावधान किया है।

श्री राम विलास पासवान : टेलीफोन खराब हो जाते हैं।

श्री विजय एन० पाटिल : : खराब हो जाते हैं, तो हम उन को इमीजिएटली रिपेयर करवा देते हैं और यह तो मशीनरी है, खराब हो ही जाती है।

श्री राम विलास पासवान : मैंने कहा था कि बिहार में टेलीफोनों की बहुत सी लाइनें खराब पड़ी हैं और वहां एक जिले में 500 टेलीफोन वापस किये गये, यह अखबार में आया है और मंत्री महोदय को इस के बारे में लिखा भी गया है। मैं जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में आप के पास कोई जानकारी है और जानकारी है, तो कितने टेलीफोनों को ठीक किया गया है।

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI C. M. STEPHEN): The statement that telephones are out of order has been in the air so repeatedly that it is losing its thrust. We have got our own method of assessment as to how the telephones are working. As I mentioned earlier, it is an inherent part of the telephone system that no telephone can be in order always. We have got our own statistics as to how many telephones are being complained about.

About Bihar, if I had a notice earlier, I would have given the reply. The question that was asked is that the waiting list is low because the telephone system is bad. The simple answer to that is this. There are certain States which are mentioned here. With respect to those States, you will find, for example, in Bihar, the waiting list is 4000 and odd; U.P.—21,000, Tamil Nadu—31,000; Karnataka—23,000, Kerala—28,000 and Maharashtra—1,82,000. If the telephone system is bad everywhere, you cannot see this difference. If it is bad only in Bihar, there must be something else and it will have to be found out what has happened there.

With reference to additional connections, this is the only place where no application for a new exchange is pending. We have just allotted six exchanges taking into account a few applications that are made whereas in other States, the applications are pending demanding new exchanges to be opened. With respect to existing exchanges, an expansion has been planned to the extent of 19,648 connections. For about 21 exchanges, 19,000 and odd connections have been sanctioned. An expansion is taking place. The requirement of Bihar is hundred per cent met.

श्री उमा कान्त मिश्र : अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में हमारे जिले में . . .

अध्यक्ष महोदय : इस में उत्तर प्रदेश का सवाल नहीं है ।

श्री उमा कान्त मिश्र : उत्तर प्रदेश की चर्चा आई है । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे जिले में हजारों प्रार्थना-पत्र पेण्डिंग हैं और सामग्री भी वहां उपस्थित है ।

MR. SPEAKER: Not allowed; this relates to only Bihar.

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष जी पटना बिहार की राजधानी है यह आप जानते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : क्या आप इस से इन्कार करवाना चाहते हैं ।

श्री रामावतार शास्त्री : नहीं, ऐसी बात नहीं है । मैं पूछना चाहता हूं कि क्या बिहार के जी०एम० टी० ने अभी हाल में एक प्रेस बयान में इस बात को स्वीकार किया है कि पटना का टेलीफोन एक्सचेंज खराब है और इस वजह से शहर के बहुत सारे टेलीफोन काम नहीं करते । अगर यह बात सच है, तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वहां के टेलीफोन एक्स्चेन्ज को रिप्लेस करने के लिए आप ने कोई कार्यवाही की है या नहीं ? अगर की है, तो वह क्या है ?

SHRI C. M. STEPHEN: I must frankly concede that the telephone functioning in Bihar is not up to the mark, comparatively speaking. This is being closely looked into. One of our best General Managers is put in charge of it. Certain officers have been put in charge of it. The situation in Patna is daily monitored. I do concede that it can be better. It is not the best as it should be.

SHRI RAMAVATAR SHASTRI: What about the telephone exchange? Is it going to be replaced or not? This is the question and you said something else.